



**॥श्री दुर्गा प्रतीक रहस्य॥**  
**माँ दुर्गा , भय, भ्रम, नकारात्मकता**  
**और बाधाएँ दूर करती है**

---

# FULL DISCLAIMER

---

*This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.*

*This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.*

*Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.*

*Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.*

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS  
AT YOUR DOOR"

# ॥ श्री दुर्गा प्रतीक रहस्य ॥

॥ श्री दुर्गा प्रतीक रहस्य ॥  
॥ माँ दुर्गा के स्वरूप का गूढ़ अर्थ ॥

॥ 1. माँ दुर्गा कौन हैं ॥  
माँ दुर्गा केवल बाहरी देवी नहीं,  
वे भीतर की शक्ति,  
साहस,  
रक्षा,  
विवेक,  
और आत्मबल का प्रतीक हैं।

॥ 2. सिंह वाहन का अर्थ ॥  
सिंह = साहस + नियंत्रण  
अर्थ:  
जो मनुष्य अपने भय,  
क्रोध,  
वासना,  
अहंकार पर बैठता है,  
वही सिंह पर आरूढ़ है।  
माँ दिखाती हैं:  
शक्ति का नियंत्रण आवश्यक है।

॥ 3. त्रिशूल का अर्थ ॥  
त्रिशूल = तीन शक्तियों पर विजय  
शरीर, मन, बुद्धि या, सत्त्व, रजस, तमस या  
भूत, वर्तमान, भविष्य  
अर्थ: संतुलन और विजय।

॥ 4. खड्ग (तलवार) ॥  
खड्ग = विवेक जो असत्य को काटे, भ्रम हटाए,  
निर्णय शक्ति दे।

### ॥ 5. कमल ॥

कमल = शुद्धि कीचड़ में रहकर भी निर्मल रहना।  
दुनिया में रहो पर भीतर शुद्ध रहो।

### ॥ 6. अनेक भुजाएँ ॥

अनेक भुजाएँ = अनेक क्षमताएँ माँ बताती हैं:  
मानव में भी अनेक शक्तियाँ हैं।

### ॥ 7. तीसरा नेत्र ॥

तीसरा नेत्र = जागरूकता जो दिखता नहीं,  
उसे देखना अन्तर्दृष्टि।

### ॥ 8. लाल वस्त्र ॥

लाल = जीवन शक्ति,,उत्साह,कार्यशक्ति,रक्त,ऊर्जा।

### ॥ 9. मुकुट ॥

मुकुट = चेतना की सर्वोच्च अवस्था मन पर राज्य।

### ॥ 10. असुर कौन हैं ॥

महिषासुर = पशु वृत्ति + जड़ता  
रक्तबीज = बार-बार उठती नकारात्मक आदतें ,शुम्भ = अहंकार  
निशुम्भ = हीनता + स्वार्थ ,चण्ड-मुण्ड = हिंसक विचार

### ॥ 11. युद्ध का अर्थ ॥

देवी युद्ध = भीतर का संघर्ष  
साधक बनाम: भय, आलस्य, भ्रम लोभ,क्रोध,अहंकार

### ॥ 12. विजय का अर्थ ॥

जब मन जीता,वही दुर्गा विजय।

### ॥ 13. नवरात्रि का रहस्य ॥

9 रातें = अज्ञान की 9 परतें प्रकाश की ओर यात्रा।

### ॥ 14. साधक हेतु संदेश ॥

माँ बाहर भी हैं,भीतर भी हैं,पूजा का अंतिम उद्देश्य:  
भीतर की दुर्गा जगाना।

## ॥ 15. सार ॥

सिंह = साहस , त्रिशूल = संतुलन , खड्ग = विवेक , कमल = शुद्धि  
असुर = दोष , देवी = शक्ति

## ॥ समापन ॥

या देवी सर्वभूतेषु शक्तिरूपेण संस्थिता ।  
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः ॥  
॥ इति श्री दुर्गा प्रतीक रहस्य सम्पूर्णम् ॥  
॥ जय माता दी ॥

